

901

801(BB)

2025

हिन्दी

केवल प्रश्न-पत्र

समय : तीन घण्टे 15 मिनट

पूर्णांक : 70

सामान्य निर्देश :

- प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्न-पत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं।
- सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
- यह प्रश्न-पत्र दो खण्डों – खण्ड 'अ' तथा खण्ड 'ब' में विभाजित है।
- इस प्रश्न-पत्र के खण्ड 'अ' में 20 बहुविकल्पीय प्रश्न हैं, जिसमें दिये गये चार विकल्पों में से सही विकल्प का चयन करके ओ.एम.आर. उत्तर-पत्रक पर नीले अथवा काले बॉल प्वाइंट पेन से सही विकल्प वाले गोले को अच्छी तरह रंगकर देना है।
- खण्ड 'अ' के बहुविकल्पीय प्रश्नों हेतु प्रत्येक प्रश्न के लिए 1 अंक निर्धारित है। बहुविकल्पीय प्रश्नों हेतु नकारात्मक अंकन की व्यवस्था नहीं है। अतः सभी प्रश्नों के उत्तर देने का प्रयास कीजिए।
- ओ.एम.आर. शीट पर उत्तर देने के पश्चात संबंधित गोले को काटे नहीं तथा इरेजर एवं झाइटर का प्रयोग न करें।
- प्रत्येक प्रश्न के सम्मुख उनके निर्धारित अंक दिये गये हैं।
- खण्ड 'ब' में वर्णनात्मक प्रश्न पूछे गये हैं। इसके लिए कुल 50 अंक निर्धारित हैं।
- खण्ड 'ब' के प्रश्नों के उत्तर यथासंभव क्रमानुसार लिखने का प्रयास कीजिए। जो प्रश्न नहीं आता हो उस पर समय नष्ट मत कीजिए।
- वर्णनात्मक प्रश्नों के उत्तर देते समय सुन्दर, स्पष्ट एवं पठनीय लेखन पर विशेष ध्यान दीजिए।

खण्ड – 'अ'

20

(बहुविकल्पीय प्रश्न)

1. 'बादल की मृत्यु' किसकी रचना है ?

1

(A) उपेन्द्रनाथ 'अशक' की

(B) रामकुमार वर्मा की –

(C) जयशंकर प्रसाद की

(D) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र की



2. किस कहानीकार की कहानियाँ 'मानसरोवर' नाम से आठ भागों में संकलित हैं ? 1
 (A) जयशंकर प्रसाद की (B) शिवपूजन सहाय की
 (C) भगवतीचरण वर्मा की (D) प्रेमचंद की
3. 'शेखर : एक जीवनी' उपन्यास के लेखक हैं 1
 (A) नागार्जुन (B) प्रेमचंद
 (C) 'अज्ञेय' (D) जैनेन्द्र
4. 'अरे यायावर रहेगा याद' की विधा है 1
 (A) नाटक (B) उपन्यास
 (C) यात्रा-साहित्य (D) कविता
5. हरिवंश राय 'बच्चन' द्वारा लिखी आत्मकथा के 4 भागों में सम्मिलित नहीं है 1
 (A) मेरी आत्मकहानी (B) क्या भूलूँ क्या याद करूँ
 (C) बसेरे से दूर (D) नीड़ का निर्माण फिर
6. रीतिकाल की काव्यभाषा है 1
 (A) खड़ीबोली (B) ब्रजभाषा
 (C) भोजपुरी (D) मैथिली
7. कवि भूषण की रचना नहीं है 1
 (A) रामचन्द्रिका (B) शिवराज भूषण
 (C) शिवा बावनी (D) छत्रसाल दशक
8. 'द्विवेदी युग' नामकरण किस साहित्यकार के नाम के आधार पर किया गया है ? 1
 (A) हजारीप्रसाद द्विवेदी (B) सोहनलाल द्विवेदी
 (C) रघुवीरप्रसाद द्विवेदी (D) महावीरप्रसाद द्विवेदी
9. 'तार सप्तक' के कवियों को 'अज्ञेय' ने क्या कहकर संबोधित किया है ? 1
 (A) 'राहों के अन्वेषी' (B) 'नई धारा के साथी'
 (C) 'साहित्य सहचर' (D) 'पथ के साथी'
10. 'धूप के धान' रचना किसकी है ? 1
 (A) धर्मवीर भारती (B) गिरिजा कुमार माथुर
 (C) भवानी प्रसाद मिश्र (D) रघुवीर सहाय

11. 'करुण रस' का स्थायी भाव है
 (A) निर्वेद (B) रति
 (C) रौद्र (D) शोक - 1
12. "चमचमात चंचल नयन, बिच घूँघट पट झीन ।
 मानहुँ सुरसरिता-विमल-जल दृग उछरत जुग मीन ॥"
 उपर्युक्त दोहे में अलंकार है :
 (A) उपमा (B) श्लेष
 (C) उत्प्रेक्षा (D) यमक 1
13. 'रोला' छंद किस प्रकार का छंद है ?
 (A) विषम (B) सम
 (C) अर्धसम (D) उपर्युक्त में से कोई नहीं 1
14. 'अध्यक्ष' में प्रयुक्त उपसर्ग है
 (A) अधि (B) अध
 (C) यक्ष (D) उपर्युक्त सभी 1
15. जिस समास का पहला पद संख्यावाची हो और उससे समुदाय का बोध होता है, उसे कहते हैं -
 (A) अव्ययीभाव समास (B) बहुव्रीहि समास
 (C) द्वंद्व समास (D) द्विगु समास 1
16. 'खीर' शब्द का तत्सम रूप है
 (A) नीर (B) खीझ
 (C) क्षीर (D) क्षेत्र 1
17. 'तस्मै' में विभक्ति और वचन है
 (A) चतुर्थी विभक्ति, एकवचन (B) पञ्चमी विभक्ति, बहुवचन
 (C) द्वितीया विभक्ति, एकवचन (D) प्रथमा विभक्ति, बहुवचन 1
18. जिस वाक्य से आश्चर्य, दुःख या सुख का बोध हो, उस वाक्य को कहते हैं
 (A) नकारात्मक वाक्य (B) विस्मयबोधक वाक्य
 (C) प्रश्नवाचक वाक्य (D) संदेहवाचक वाक्य 1
19. 'रोहन से चला नहीं जाता।' इस वाक्य में कौन-सा वाच्य है ?
 (A) कर्तृवाच्य (B) कर्मवाच्य
 (C) विशेषण वाच्य (D) भाववाच्य 1
20. निम्नलिखित में अविकारी शब्द है :
 (A) बालक (B) पुस्तक
 (C) निकट (D) पुराना 1

खण्ड - 'ब'
(वर्णनात्मक प्रश्न)

1. निम्नलिखित में से किसी एक गद्यांश पर आधारित सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

2 + 2 + 2 = 6

बहुत-से लोग ऐसे होते हैं, जिनके घड़ी भर के साथ से भी बुद्धि भ्रष्ट हो जाती है; क्योंकि उतने ही बीच में ऐसी-ऐसी बातें कही जाती हैं, जो कानों में न पड़नी चाहिए, चित्त पर ऐसे प्रभाव पड़ते हैं, जिनसे उसकी पवित्रता का नाश होता है। बुराई अटल भाव धारण करके बैठती है। बुरी बातें हमारी धारणा में बहुत दिनों तक टिकती हैं। इस बात को प्रायः सभी लोग जानते हैं कि भद्दे व फूहड़ गीत जितनी जल्दी ध्यान पर चढ़ते हैं, उतनी जल्दी कोई गंभीर या अच्छी बात नहीं।

- (i) उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।
- (ii) गद्यांश के रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
- (iii) किस प्रकार की बातों का प्रभाव व्यक्ति पर जल्दी होता है ?

अथवा

जो तरुण संसार के जीवन-संग्राम से दूर हैं, उन्हें संसार का चित्र बड़ा ही मनमोहक प्रतीत होता है, जो वृद्ध हो गये हैं, जो अपनी बाल्यावस्था और तरुणावस्था से दूर हट आए हैं, उन्हें अपने अतीतकाल की स्मृति बड़ी सुखद लगती है। वे अतीत का ही स्वप्न देखते हैं। तरुणों के लिए जैसे भविष्य उज्ज्वल होता है, वैसे ही वृद्धों के लिए अतीत। वर्तमान से दोनों को असन्तोष होता है। तरुण भविष्य को वर्तमान में लाना चाहते हैं और वृद्ध अतीत को खींचकर वर्तमान में देखना चाहते हैं। तरुण क्रान्ति के समर्थक होते हैं और वृद्ध अतीत-गौरव के संरक्षक। इन्हीं दोनों के कारण वर्तमान सदैव क्षुब्ध रहता है और इसी से वर्तमान काल सदैव सुधारों का काल बना रहता है।

- (i) उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।
- (ii) गद्यांश के रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
- (iii) तरुण और वृद्ध के दृष्टिकोण (सोचने-समझने का नज़रिया) में अंतर बताइए।

2. निम्नलिखित में से किसी एक पद्यांश पर आधारित सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

2 + 2 + 2 = 6

ऊधौ मन न भए दस बीस ।

एक हुतौ सो गयौ स्याम संग, को अवरार्धै ईस ॥

इंद्री सिथिल भई केशव बिनु, ज्यों देही बिनु सीस ।

आसा लागि रहति तन स्वासा, जीवहिं कोटि बरीस ॥

तुम तौ सखा स्याम सुन्दर के, सकल जोग के ईस ।

सूर हमारै नंदनंदन बिनु, और नहीं जगदीस ॥

(i) उपर्युक्त पद्यांश का सन्दर्भ लिखिए ।

(ii) गोपियाँ उद्धव द्वारा बताए गए ब्रह्म (ईश्वर) की आराधना में स्वयं को असमर्थ क्यों बताती हैं ?

(iii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

अथवा

सहे वार पर वार अंत तक,

लड़ी वीर बाला-सी ।

आहुति-सी गिर चढ़ी चिता पर,

चमक उठी ज्वाला-सी ॥

बढ़ जाता है मान वीर का,

रण में बलि होने से ।

मूल्यवती होती सोने की,

भस्म यथा सोने से ॥

(i) उपर्युक्त पद्यांश का सन्दर्भ लिखिए ।

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

(iii) 'आहुति-सी गिर चढ़ी चिता पर, चमक उठी ज्वाला-सी' पंक्ति में कौन-सा अलंकार है ?

3. नीचे दिये गये संस्कृत गद्यांश में से किसी एक का सन्दर्भ-सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए :

2 + 3 = 5

दुर्मुख ! द्वितीयः कशाघातः । (दुर्मुखः पुनः ताडयति ।) ताडितः चन्द्रशेखरः पुनः पुनः 'भारतं जयतु' इति वदति । (एवं स पञ्चदशकशाघातैः ताडितः) यदा चन्द्रशेखरः कारागारात् मुक्तः बहिः आगच्छति, तदैव सर्वे जनाः तं परितः वेष्टयन्ति, बहवः बालकाः तस्य पादयोः पतन्ति, तं मालाभिः अभिनन्दयन्ति च ।

अथवा

भारतीया संस्कृतिः तु सर्वेषां मतावलम्बिनां संगमस्थली । काले-काले विविधाः विचाराः भारतीय-संस्कृतौ समाहिताः । एषा संस्कृतिः सामासिकी संस्कृतिः यस्याः विकासे विविधानां जातीनां सम्प्रदायानां विश्वासानां च योगदानं दृश्यते । अतएव अस्माकं भारतीयानाम् एका संस्कृतिः एका च राष्ट्रीयता ।

4. नीचे दिए गए संस्कृत पद्यांश में से किसी एक का सन्दर्भ-सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए :

2 + 3 = 5

उत्तरं यत् समुद्रस्य हिमाद्रेश्चैव दक्षिणम् ।
वर्षं तद् भारतं नाम भारती तत्र सन्ततिः ॥

अथवा

मानं हित्वा प्रियो भवति क्रोधं हित्वा न शोचति ।
कामं हित्वा र्थवान् भवति लोभं हित्वा सुखी भवेत् ॥

5. अपने पठित खण्डकाव्य के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दीजिए : 1 × 3 = 3

- (क) (i) 'मुक्तिदूत' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए ।
(ii) 'मुक्तिदूत' खण्डकाव्य के चतुर्थ सर्ग का सारांश लिखिए ।
- (ख) (i) 'ज्योति जवाहर' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए ।
(ii) 'ज्योति जवाहर' खण्डकाव्य के द्वितीय सर्ग के कथानक का संक्षेप में उल्लेख कीजिए ।
- (ग) (i) 'अग्रपूजा' खण्डकाव्य के 'आयोजन' सर्ग की कथावस्तु लिखिए ।
(ii) 'अग्रपूजा' खण्डकाव्य के नायक की चारित्रिक विशेषताएँ लिखिए ।
- (घ) (i) 'मेवाड़-मुकुट' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए ।
(ii) 'मेवाड़-मुकुट' के पंचम सर्ग की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए ।
- (ङ) (i) 'जय सुभाष' खण्डकाव्य के आधार पर सुभाषचन्द्र बोस का चरित्र-चित्रण कीजिए ।
(ii) 'जय सुभाष' खण्डकाव्य के प्रथम सर्ग की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए ।
- (च) (i) 'मातृभूमि के लिए' खण्डकाव्य के प्रमुख पात्र का चरित्र-चित्रण कीजिए ।
(ii) 'मातृभूमि के लिए' खण्डकाव्य के तृतीय सर्ग (बलिदान) का कथानक संक्षेप में लिखिए ।
- (छ) (i) 'कर्ण' खण्डकाव्य के द्वितीय सर्ग (द्यूत सभा में द्रौपदी) की कथावस्तु लिखिए ।
(ii) 'कर्ण' खण्डकाव्य के आधार पर उसके नायक का चरित्रांकन कीजिए ।
- (ज) (i) 'कर्मवीर भरत' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए ।
(ii) 'कर्मवीर भरत' खण्डकाव्य के आधार पर 'कौशल्या-सुमित्रा मिलन' नामक तृतीय सर्ग की कथावस्तु अपने शब्दों में लिखिए ।
- (झ) (i) 'तुमुल' खण्डकाव्य के आधार पर लक्ष्मण का चरित्र-चित्रण कीजिए ।
(ii) 'तुमुल' खण्डकाव्य का सारांश संक्षेप में लिखिए ।

6. (क) निम्नलिखित लेखकों में से किसी एक लेखक का जीवन-परिचय देते हुए उनकी एक प्रमुख रचना का उल्लेख कीजिए : 3 + 2 = 5
- (i) जयशंकर प्रसाद
 - (ii) भगवत शरण उपाध्याय
 - (iii) रामधारी सिंह 'दिनकर'
 - (iv) जयप्रकाश भारती
- (ख) निम्नलिखित कवियों में से किसी एक कवि का जीवन-परिचय देते हुए उनकी एक प्रमुख रचना का उल्लेख कीजिए : 3 + 2 = 5
- (i) तुलसीदास
 - (ii) बिहारीलाल
 - (iii) सुमित्रानंदन पंत
 - (iv) श्यामनारायण पाण्डेय
7. अपनी पाठ्यपुस्तक के संस्कृत खण्ड की पाठ्यवस्तु से कण्ठस्थ कोई एक श्लोक लिखिए जो इस प्रश्न-पत्र में न आया हो । 2
8. आपके विद्यालय में खेल की सुविधाएँ बहुत कम हैं । अपने विद्यालय के प्रधानाचार्य को पत्र लिखिए, जिसमें खेल सुविधाएँ उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया हो । 4
- अथवा
- आपके जन्मदिन पर दादा जी ने एक पुस्तक उपहार में भेजी है । दादा जी को धन्यवाद देते हुए एक पत्र लिखिए ।
9. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए : 1 + 1 = 2
- (i) दानं कस्य मित्रं भवति ?
 - (ii) विद्या केन वर्धते ?
 - (iii) कुत्र मरणं मङ्गलं भवति ?
 - (iv) चन्द्रशेखरः स्वपितुः नाम किम् अकथयत् ?
10. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबन्ध लिखिए : 1 × 7 = 7
- (i) मेरा प्रिय साहित्यकार
 - (ii) वृक्ष धरा के आभूषण
 - (iii) राष्ट्रीय एकता
 - (iv) बेरोजगारी : समस्या और समाधान
 - (v) मोबाइल फोन : वरदान या अभिशाप